O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

प्री-बोर्ड परीक्षा: 2024-25

PRE-BOARD EXAMINATION: 2024-25

विषय : हिंदी आधार (302) **निर्धारित समय : 03 घंटे**

कक्षा : बारहवीं **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश/GENERAL INSTRUCTIONS:
1.निम्नलिखित प्रश्नों को सावधानी से पढ़िए और दिए गए निर्देशों का पालन कीजिए :- 2.यह प्रश्न पत्र तीन खंडो में विभाजित है | 3. खंड -क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं| सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है | 4. खंड- ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं | प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं | 5. खंड-ग में पाठ्यपुस्तक आरोह-2 तथा वितान-2 से प्रश्न पूछे गए हैं| प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं | 6. तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है | 7. यथासंभव तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न सं.		खंड-क (अपठित बोध)	**अंक (18)**
1.		निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।	**(10)**
		कवियों, शायरों तथा आम आदमी को सम्मोहित करने वाला 'पलाश' आज संकट में है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यदि इसी प्रकार पलाश का विनाश जारी रहा. तो यह 'ढाक के तीन पात' वाली कहावत में ही बचेगा अरावली और सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाओं में जब वृक्ष चैत (बसंत) में फूलता था, तो लगता था कि वन में आग लग गई हो अथवा अग्नि देव फूलों के रूप में खिल उठे हों। पलाश पर एक-दो दिन में ही संकट नहीं आ गया है। पिछले तीस-चालीस वर्षों में दोना-पत्तल बनाने वाले कारखाने बढ़ने, गाँव-गाँव में चकबंदी होने तथा वन माफियाओं द्वारा अंधाधुंध कटाई करने के कारण उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, पश्चित बंगाल, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, कर्नाटक, महाराष्ट्र आदि प्रांतों में पलाश के वन घटकर 10% से भी कम रह गए हैं। वैज्ञानिकों ने पलाश वनों को बचाने के लिए ऊतक संवर्द्धन (टिशू कल्चर) द्वारा परखनली में पलाश के पौधों को विकसित कर एक अभियान चलाकर पलाश वन रोपने की योजना प्रस्तुत की है। हरियाणा तथा पुणे में ऐसी दो प्रयोगशालाएँ भी खोली गई हैं। एक समय था जब बंगाल	

		का पलाशी का मैदान तथा अरावली की पर्वत मालाएँ टेसू के फूलों के लिए दुनियाभर में मशहूर थीं। विदेशों से लोग पलाश के रक्तिम वर्ण के फूल देखने आते थे। महाकवि पद्माकर ने छंद- "कहें पद्माकर परागन में. पौन हूँ में. पानन में, पिक में. पलासन पगंत हैं" लिखकर पलाश की महिमा का वर्णन किया था। ब्रज, अवधी, बुंदेलखंडी, राजस्थानी, हरियाणवी, पंजाबी लोक गीतों में पलाश के गुण गाए गए हैं। कबीर ने तो 'खांखर भया पलाश' कहकर पलाश की तुलना एक ऐसे सुंदर-सजीले नवयुवक से की है, जो अपनी जवानी में तो सबको आकर्षित कर लेता है, किंतु बुढ़ापे में अकेला रह जाता है। वसंत व ग्रीष्म ऋतु में जब तक टेसू में फूल व हरे-भरे पत्ते रहते हैं. उसे सभी निहारते हैं, किंतु शेष आठ महीने वह पतझड़ का शिकार होकर झाड़-झंखाड़ की तरह रह जाता है। पर्यावरण के लिए प्लास्टिक-पॉलिथीन पर रोक लगने के बाद पलाश की उपयोगिता महसूस की गई, जिसके पत्ते दोने, थैले, पत्तल, थाली, गिलास सहित न जाने कितने उपयोग में आ सकते हैं। पिछले तीस-चालीस वर्षों में 90% वन नष्ट कर दिए गए। बिना पानी के बंजर, ऊसर तक में उग आने वाले इस पेड़ की नई पीढ़ी तैयार नहीं हुई। यदि यही स्थिति रही और समाज जागरूक न हुआ, तो पलाश विलुप्त वृक्ष हो जाएगा।	
	क.	गद्यांश में लेखक की चिंता का क्या कारण है? (i) पलाश के वृक्षों का घटता स्तर (ii) ऊतक संवर्द्धन की कमी (iii) पर्यावरण की सुरक्षा (iv) वन में आग लगना	1
	ख.	निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: कथन (I) कबीर ने पलाश की सुंदरता को जवानी में आकर्षित करने वाले युवक के समान बताया है। कथन (II) टेसू में फूल व हरे-भरे पत्ते पूरे वर्ष लगे रहते हैं। कथन (III) पलाश का उपयोग पत्ते, दोना, थाली, गिलास आदि बनाने में किया जाता है। उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (i) कथन (I) (ii) कथन (II) (iii) कथन (I) और कथन (III) (iv) कथन (II) और कथन (III)	1
	ग.	कथन (A): कबीर ने पलाश के बारे में 'खांखर भया पलाश' कहा है। कथन (R) : टेसू के फूल व हरे-भरे पत्ते रहने पर यह सबके आकर्षण का केंद्र रहता है, परंतु पतझड़ में कोई इसकी ओर देखता तक नहीं है। कूटः (i) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथनं (A) की सही व्याख्या करता है	1

		(ii) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है। (iii) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है। (iv) कथन (A) सही है, परंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।	
	घ.	पलाश की उपयोगिता कब महसूस की गई ?	1
	ङ.	वैज्ञानिकों ने पलाश के वृक्षों को बचाने के लिए क्या किया है ?	2
	च.	कवि पद्माकर ने पलाश की महिमा का वर्णन कैसे किया है ?	2
	छ.	पलाश की क्या उपयोगिता है ?	2
2.		निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।	**(08)**
		असहाय किसानों की किस्मत को खेतों में, क्या जल में बह जाते देखा है? क्या खाएँगे? यह सोच निराशा से पागल, बेचारों को नीरव रह जाते देखा है? देखा है ग्रामों की अनेक रंभाओं को, जिनकी आभा पर धूल अभी तक छाई है? रेशमी देह पर जिन अभागिनों की अब तक रेशम क्या, साड़ी सही नहीं चढ़ पाई है। पर तुम नगरों के लाल, अमीरों के पुतले, क्यों व्यथा भाग्यहीनों की मन में लाओगे, जलता हो सारा देश, किंतु होकर अधीर तुम दौड़-दौड़कर क्यों यह आग बुझाओगे? चिंता हो भी क्यों तुम्हें, गाँव के जलने से, दिल्ली में तो रोटियाँ नहीं कम होती हैं। धुलता न अश्रु-बूँदों से आँखों से काजल, गालों पर की धूलियाँ नहीं नम होती हैं। जलते हैं तो ये गाँव देश के जला करें, आराम नई दिल्ली अपना कब छोड़ेगी, या रखेगी मरघट में भी रेशमी महल, या आँधी की खाकर चपेट सब छोड़ेगी। चल रहे ग्राम कुँजों में पछिया के झकोर, दिल्ली, लेकिन, ले रही लहर पुरवाई में, है विकल देश सारा अभाव के तापों से, दिल्ली सुख से सोई है नरम रजाई में।	

	क.	प्रस्तुत काव्यांश में ग्रामों की रंभायें किसे कहा गया है? (i) किसानों की पत्नियों को (ii) गाँव की स्त्रियों को (iii) सुन्दर स्त्रियों को (iv) असहाय महिलाओं को	**1**
	ख.	किसानों के निराशा से ग्रस्त होने का क्या कारण है ? (i) अकाल और सूखा (ii) जीविका विहीन (iii) वर्षा न होने के कारण (iv) भीषण आग में सब कुछ नष्ट होने के कारण	**1**
	ग.	कविता के माध्यम से कवि ने किस पर व्यंग्य किया है ? (i) देशवासियों पर (ii) अधिकारी वर्ग (iii) पूंजीपतियों पर (iv) दिल्लीवासियों पर	**1**
	घ.	राजधानी दिल्ली और ग्रामीण भारत में क्या अंतर है ?	**1**
	ङ.	कवि किसानों और ग्रामीण रंभाओं को देखकर क्यों दुखी होता है ?	**2**
	च	कवि ने दिल्लीवासियों की हृदयहीनता किस प्रकार उभारी है?	**2**
		खंड –'ख' (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)	**अंक- 22**
3.		**निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए।** (क) जीवन से बिसरते तीज-त्योहार (ख) सुबह की सैर : स्वस्थ जीवन की चाबी (ग) बाहर-बाहर सँवर गए हम, मन का सँवरना बाकि है...	**1x6 =6**
4.		**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही 04 प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिये।**	**4x2=8**
	क.	समाचार लेखन की उल्टा पिरामिड शैली में छह ककारों का क्या महत्व है?	2
	ख.	अंशकालिक पत्रकार (स्ट्रिंगर) और फ्रीलांसर(स्वतंत्र) पत्रकार से क्या आशय है?	2
	ग.	बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिये।	2
	घ.	विशेषीकृत पत्रकारिता को संक्षेप में समझाइए।	2
	ङ.	कहानी से नाट्य रूपांतरण करते समय हमें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है?	2
5.		**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में दीजिये ।**	**2x4=8**
	क.	विशेष रिपोर्ट से क्या आशय है ? विशेष रिपोर्ट के विविध प्रकारों का सोदाहरण उल्लेख कीजिये।	4
	ख.	"रेडियो नाटक का लेखन सिनेमा और रंगमंच के लेखन से थोड़ा भिन्न भी है और थोड़ा मुश्किल भी"- कैसे? तर्क सहित उत्तर दीजिये।	4

	ग.	फ़ीचर लेखन समाचार लेखन से किन अर्थों में अलग है? फ़ीचर लेखन की मूलभूत विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।	4
		खंड-ग (पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 और वितान भाग-2 पर आधारित प्रश्न)	**अंक (40)**
6.		**निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।**	**5x1=5**
		तिरती है समीर-सागर पर अस्थिर सुख पर दुख की छाया- जग के दग्ध हृदय पर निर्दय विप्लव की प्लावित माया- यह तेरी रण-तरी भरी आकांक्षाओं से, घन, भेरी-गर्जन से सजग सुप्त अंकुर उर में पृथ्वी के, आशाओं से नवजीवन की, ऊँचा कर सिर, ताक रहे हैं, ऐ विप्लव के बादल ! फिर-फिर बार-बार गर्जन वर्षण है मूसलधार, हृदय थाम लेता संसार, सुन-सुन घोर वज्र-हुंकार। अशनि-पात से शापित उन्नत शत-शत वीर, क्षत-विक्षत हत अचल-शरीर, गगन-स्पर्शी स्पर्द्धा धीर। हँसते हैं छोटे पौधे लघुभार-	
	क.	क्रांतिदूत बादलों की भयंकर गर्जना से – कथन (I): धरती के गर्भ में सोये हुए अंकुर सजग हो जाते हैं। कथन (II): सर्वहारा वर्ग व शोषित जन भयभीत हो जाते हैं। उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (i) कथन (I) सही (ii) कथन (II) सही (iii) कथन (I) और (II)दोनों सही (iv) कथन (I) और (II) दोनों गलत	1
	ख.	निम्नलिखित कथन और कारणों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।	1

		कथन (A) : क्रांति से शोषक वर्ग के शोषण का अंत संभव है। कारण (R) : क्रांति शोषितों-वंचितों के अधिकार सुनिश्चित करवा पाती है। कूटः (i) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है (ii) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है। (iii) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है। (iv) कथन (A) सही है, परंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।	
	ग.	काव्यांश के रचयिता एवं कविता का शीर्षक का सही मेल क्या है? (i) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – उषा (ii) आलोक धन्वा- कविता के बहाने (iii) आलोक धन्वा- बादल राग (iv) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'- बादल राग	1
	घ.	**सूची-1** / **सूची-2** (क) क्रांतिदूत / (I) पूंजीपति (ख) पृथ्वी में सोये हुए / (II) बादल (ग) गगन-स्पर्शी स्पर्द्धाधीर / (III) अंकुर (i) क- (I), ख-(II), ग-(III) (ii) क- (II), ख-(I), ग-(III) (iii) क- (II), ख-(III), ग-(I) (iv) क- (III), ख-(II), ग-(I)	1
	ङ.	**'समीर-सागर'** में प्रयुक्त अलंकार के भेद बताइए। (i) उपमा अलंकार (ii) रूपक अलंकार (iii) उदहारण अलंकार (iv) श्लेष अलंकार	1
7.		**काव्य खंड पर आधारित 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) दीजिये।**	**2x3=6**
	क.	"उमा एक अखंड रघुराई। नर गति भगत कृपाल देखाई ॥"- यहाँ वक्ता कौन हैं? वक्ता 'रघुराई' के किस 'नर गति' की चर्चा कर रहा है?	3
	ख.	'जादू टूटता है इस उषा का अब'- यहाँ उषा के किस 'जादू' का वर्णन किया जा रहा है और इस जादू के टूटने का क्या कारण है?	3
	ग.	"उत्तम साहित्य कालजयी होता है।"- 'छोटा मेरा खेत' कविता के आधार कथन की	3

		सार्थकता सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।	
8.		**काव्य खंड पर आधारित 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) दीजिये।**	**2x2=4**
	क.	'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कविता के आलोक में कवि की गति में शिथिलता और हृदय की विह्वलता के कारणों को स्पष्ट कीजिये।	2
	ख.	'बात की चूड़ी मरने' और उसे 'सहूलियत से बरतने' से कवि का क्या अभिप्राय है ?	2
	ग.	'अट्टालिका नहीं है रे आतंक भवन' कविता में 'अट्टालिका' को 'आतंक भवन' क्यों कहा गया है?	2
9.		**निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।**	**5x1=5**
		मैं सोचता हूँ कि पुराने की यह अधिकार-लिप्सा क्यों नहीं समय रहते सावधान हो जाती? जरा और मृत्यु, ये दोनों ही जगत के अतिपरिचित और अतिप्रामाणिक सत्य हैं। तुलसीदास ने अफ़सोस के साथ इनकी सच्चाई पर मुहर लगाई थी 'धरा को प्रमान यही तुलसी जो फरा सो झरा, जो बरा सो बुताना।' मैं शिरीष के फूलों को देखकर कहता हूँ कि क्यों नहीं फलते ही समझ लेते बाबा कि झड़ना निश्चित है। सुनता कौन है? महाकालदेवता सपासप कोड़े चला रहे हैं. जीर्ण और दुर्बल झड़ रहे हैं, जिनमें प्राणकण थोड़ा भी ऊर्ध्वमुखी है, वे टिक जाते हैं। दुरंत प्राणधारा और सर्वव्यापक कालाग्नि का संघर्ष निरंतर चल रहा है। मूर्ख समझते हैं कि जहाँ बने हैं, वहीं देर तक बने रहें तो कालदेवता की आँख बचा जाएँगे। भोले हैं वे। हिलते-डुलते रहो, स्थान बदलते रहो, आगे की ओर मुँह किए रहो तो कोड़े की मार से बच भी सकते हो। जमे कि मरे!	
	क.	गद्यांश में किसकी अधिकार लिप्सा की और संकेत किया गया है? (i) अपनी जगह पर जमे रहने के अधिकार का लोभ (ii) किसी अन्य के लिए अधिकार त्यागने की इच्छा (iii) बलपूर्वक अधिकार छीन लेने का लालच (iv) इनमें से कोई नहीं	1
	ख.	**'धरा को प्रमाण –यही तुलसी जो फरा सो झरा, जो बरा सो बुताना'**- तुलसी के इस कथन से क्या अभिप्राय है? (i) जो खिलता है, वह झड़ता भी है (ii) प्रत्येक जीव की मृत्यु सुनिश्चित है (iii) जो जलता है, वह बुझता भी है (iv) गतिहीन बने रहने से काल से बच सकते हैं	1

	ग.	"पुराने फूल-पत्तों को यह क्यों समझना आवश्यक है कि –झड़ना निश्चित है"? (i) महाकाल देवता के कोड़े चलने के कारण (ii) जन्म और मृत्यु के आपसी संघर्ष के कारण (iii) क्योंकि तुलसीदास ने इसे ही सत्य माना है (iv) जन्म और मृत्यु जगत का प्रमाणिक सत्य है	1
	घ.	निम्न कथनों पर विचार करें – कथन-(I): जरा और मृत्यु जगत के अतिपरिचित और अतिप्रामाणिक सत्य है। कथन-(II): जीर्ण और दुर्बल झड़ जाते हैं, उर्ध्वमुखी टिक जाते हैं। कथन-(III): कालदेव के कोड़ों के मार से बचने के लिए एक स्थान पर जमना होगा। उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही **नहीं** है/हैं? (i) कथन (I) और (II) (ii) केवल कथन (II) (iii) कथन (I) और (III) (iv) केवल कथन (III)	1
	ङ.	गद्यांश का केंद्रीय भाव है- (i) सभी को अपने प्राण प्रिय है (ii) स्थिर रहना भोलापन है (iii) स्थिरता संघर्ष से आती है (iv) परिवर्तन प्रकृति का नियम है	1
10.		**गद्य खंड पर आधारित 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) दीजिये।**	**2x3=6**
	क.	शारीरिक वंश-परम्परा और सामाजिक उत्तराधिकार की दृष्टि से मनुष्यों में असमानता संभावित रहने के बावजूद आंबेडकर 'समता' को एक व्यवहार्य सिद्धांत मानने का आग्रह क्यों करते हैं? उनके क्या तर्क हैं?	3
	ख.	"क्या कला की प्रासंगिकता व्यवस्था की मुखापेक्षी है अथवा उसका कोई स्वतंत्र मूल्य भी है?" 'पहलवान की ढोलक' कहानी के आधार पर कथन का तार्किक विश्लेषण कीजिये।	3
	ग.	'बाजारूपन' से क्या तात्पर्य है? किस प्रकार के व्यक्ति बाज़ार को सार्थकता प्रदान करते हैं?	3
11.		**गद्य खंड पर आधारित 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) दीजिये।**	**2x2=4**
	क.	भक्तिन की बेटी पर पंचायत द्वारा ज़बरन पति थोपा जाना एक दुर्घटना भर नहीं, बल्कि विवाह के सन्दर्भ में स्त्री के मानवाधिकार को कुचलते रहने की कुरीति का प्रतीक है। – कैसे? स्पष्ट करें।	2

	ख.	'काले मेघा पानी दे' के आधार पर जीजी की दृष्टि में त्याग और दान को परिभाषित कीजिये।	2
	ग.	हजारी प्रसाद द्विवेदी ने शिरीष के सन्दर्भ में महात्मा गाँधी का स्मरण क्यों किया है? साम्य निरूपित कीजिये।	2
12.		**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग100 शब्दों में उत्तर दीजिये।**	**2x5=10**
	क.	'अतीत में दबे पाँव' पाठ में सिंधु सभ्यता के सबसे बड़े नगर मोअनजो-दड़ों की नगर योजना आज की नगर योजना से किस प्रकार बेहतर थी?	5
	ख.	'जूझ' कहानी से लेखक के जीवन संघर्ष के उन बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए, जो हमारे लिए प्रेरणादायक हैं?	5
	ग.	'सिल्वर वैडिंग' का प्रधान पात्र वर्तमान में रहता है, किन्तु अतीत में जीता है तथा भविष्य के साथ कदम मिलाने में असमर्थ रहता है। उपर्युक्त कथन के आलोक में यशोधर बाबू के अंतर्द्वंद्व पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।	5

****